## महत्वपूर्ण एवं खास

### धरमजयगढ़ वनपरिक्षेत्र क्रोन्धा मार्ग में फिर नजर आया हाथियों का समूह

**धरमजयगढ़ (आरएनएस)।** वनारिक्षेत्र धरमजयगढ़ अंतर्गत रायगढ़ रोड़ क्रोन्धा मार्ग में आज हांथियों का दल सडक़ किनारे चहलकदमी करते हुए देखा गया है, हाथी को सडक़ में आते देख राहगीर कुछ देर के लिए मार्ग में थम से गए ताकि हाथी से किसी तरह की नुकसानी न नही हुआ। शाम करीब 4 से 5 के बीच क्रोन्धा मार्ग में करीब 12 से 15 के हांथियों के दल को बिल्कुल सडक़ किनारे चहलकदमी करते हुए देखा गया जैसे ही हांथियों को सडक़ किनारे देखा गया उसके तुरंत बाद क्षेत्र में भय माहौल बन गया। इसी बीच वन विभाग में हाथी आमद की ख़बर दी गई सूचना पर मौके पे पहुँची वनकर्मी एवं हाथी मित्र दल लोगों को समझाइस देने में जुट गई कुछ देर बाद हांथियों का दल सडक़ पार कर 367 कक्ष क्रमांक जंगल से 368 में चले गए लिहाजा सुरक्षा की दृष्टि से प्रभावित इलाके में वनकर्मियों द्वारा हाथी आमद की जानकारी दी जा रही है ताकि हाथी से किसी तरह की नुकसानी न हो।बहरहाल पूरा इलाका इन दिनों हाथीमय हो गया है,और क्षेत्रवासियों को जान माल की नुकसानी का डर सता रहा है।

### टमाटर हुआ अधिक लाल,कीमत हुआ 40 पार

**रायपुर (आरएनएस)।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में टमाटर की कीमतों में तेजी आ चुकी है। मांग ज्यादा और आपूर्ति कम होने की वजह से टमाटर की कीमतें 20 रुपये प्रति किलो से बढक़र 40 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुकी है। कारोबारियों के मुताबिक भारी गर्मी की वजह से स्थानीय उत्पादन में गिरावट आई है। स्थानीय मांग की पूर्ति के लिए राजधानी के डूमरतराई थोक बाजार में अब बंगलुरू और नासिक से आवक शुरू हो चुकी है। राजधानी के कुछ चिल्हर बाजारों में कीमतें 50 रुपये प्रति किलो तक भी पहुंच चुकी है। डूमरतराई थोक बाजार के अध्यक्ष ने बताया कि मई-जून में हर साल टमाटर की कीमतों में महंगाई आती है। इस बार छत्तीसगढ़ में स्थानीय उत्पादन अधिक रहने की वजह से मई से कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि इससे पहले 15 अप्रैल के बाद से ही कीमतों में उछाल आ जाता था। टमाटर की नई फसल के लिए लोगों को अभी तीन-चार महीने और इंतजार करना पड़ सकता है। अन्य सब्जियों की कीमतों पर गौर करें तो इसमें भी महंगाई दर्ज की जा रही है। परवरल, बरबट्टी, भिंडी, बैंगन आदि सब्जियों की कीमतें भी थोक में 20 रुपए पार कर चुकी है। इसकी वजह से चिल्हर बाजार में भी कीमतों में उछाल आ चुका है।

### युवा डॉक्टर ने तालाब में कूदकर की आत्महत्या

**राजनांदगांव (आरएनएस)।** राजनांदगांव जिले में एक युवा डॉक्टर ने तालाब में कूदकर आत्महत्या कर ली है। युवक राजस्थान का रहने वाला था। वह पेंड्री के ही मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई करने के बाद यहां इंटर्न कर रहे थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने एसडीआरएफ की मदद से करीब 5 घंटे बाद शव तालाब से बरामद किया। डॉक्टर की खुदकुशी का कारण स्पष्ट नहीं है। जानकारी के अनुसार, राजस्थान के रहने वाले प्रसून भारद्वाज यहां शासकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पेंड्री में डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी करने के बाद इंटर्नशिप कर रहे थे। डॉक्टर सुबह करीब 6 बजे शहर के रानी सागर तालाब पहुंचे और उन्होंने छलांग लगा दी। इसके बाद वह मौजूद लोगों ने युवक को कूदते देख पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर बसंतपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। कई घंटों की मशक्कत के बाद टीम ने तालाब से शव बरामद कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम कराया।

# मजदूर दिवस पर गढ़कलेवा में बोरे बासी खाने का शुभारंभ

❑ **बड़े बुजुर्गों सहित युवाओं ने मुख्यमंत्री के आव्हान पर बोरे बासी खाकर दिया श्रम को सम्मान**

**रायपुर (आरएनएस)।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आव्हान पर 01 मई मजदूर दिवस को बोरे बासी दिवस के रूप मनाने का सिलसिला शुरू हो गया है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री के आव्हान पर ही संस्कृति विभाग द्वारा गढक़लेवा में आज से बोरे बासी थाली का शुभारंभ किया गया है। लोग चाव के साथ मुख्यमंत्री के आव्हान पर बोरे बासी खाकर श्रम को सम्मान देने के इस अभियान में भागीदारी बने। राज्य प्रशासनिक अधिकारी भी बोरे बासी खाकर तृप्त हुए और ठंडकता महसूस की।

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी डिप्टी कलेक्टर लिंगराज सिदार ने बासी खाकर प्रतिक्रिया में बताया वे बचपन

में अक्सर बासी खाते थे। भले ही अब बासी खाने का अवसर कम मिलता हो, लेकिन जैसे ही बासी खाने का मौका मिलता है, तो वह बासी जरूर खाता है। आज सिदार अपने साथियों के साथ गढक़लेवा में विशेष रूप से बोरे बासी खाने आए हुए हैं। प्रशासनिक अधिकारी हेमंत सिदार, निखिलेश सिदार सहित अन्य लोगों ने भी उत्साह के साथ बोरे बासी का लुप्त उठाया।

### छत्तीसगढ़ का बोरे-बासी छाया सोशल मीडिया पर

सोशल मीडिया ट्विटर पर छत्तीसगढ़ का नंबर-1 पर ट्रेंड कर रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा छत्तीसगढिय़ों से मजदूर दिवस पर बोरे-बासी खाकर अपनी छत्तीसगढिय़ा संस्कृति और श्रमिकों को सम्मान देने की अपील पर देश-विदेश में बसे छत्तीसगढ़वासियों द्वारा बोरे-बासी खाकर अपनी फोटो-वीडियो रोचक कैप्शन के साथ सोशल मीडिया पर हैश टैग के साथ शेयर की जा रही है।

बोरे-बासी छत्तीसगढ़ का पारंपरिक भोजन है, पोषक तत्वों से भरपूर इस व्यंजन का छत्तीसगढ़ में किसान, मजदूर, अमीर-गरीब सहित सभी लोग, हमेशा से सभी बड़े चाव से खाते हैं। आज मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की अपील पर कोने-कोने में बसे छत्तीसगढ़वासियों ने बोरे-बासी खाकर अपनी गौरवशाली परंपरा के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए एकजुटता का प्रदर्शन किया है।

बोरे-बासी छत्तीसगढ़ का ऐसा भोजन है जो बचे हुए चावल को पानी में भिगोकर रात भर रख कर बनाया जाता है। फिर सुबह उसमें हल्का नमक डालकर, भाजी, टमाटर की चटनी, अचार, कच्चे प्याज और बिजौरी के साथ खाया जाता है। छत्तीसगढ़ के लोग प्राय: सुबह बासी का ही नाश्ता करते हैं। बोरे बासी खाने से न सिर्फ गर्मी और लू से राहत मिलती है, बल्कि बीपी कंट्रोल रहता है डि-हाइड्रेशन की समस्या नहीं होती है।

### पर्वत, पहाड़ी और झरने के पास बैठकर नारायणपुर में तैनात जवानों ने खाया बोरे बासी

पर्वत, पहाड़ी और झरने के पास बैठकर नारायणपुर में तैनात जवानों ने खाया बोरे बासी आज मजदूर दिवस के अवसर पर जिला नारायणपुर में तैनात जिला पुलिस बल, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल और डीआरजी के जवानों ने बोरे बासी खाया। उल्लेखनीय है कि माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल, छत्तीसगढ़ शासन के आह्वान पर मजदूर दिवस के अवसर पर जवानों ने भी बोरे बासी खाया। बोरे बासी खाकर जवान आत्मविभोर हो गए और बोले धन्यवाद सीएम सर, आपने बचपन और घर की याद दिला दी। जवानों ने कहा कि अब

हम प्रयास करेंगे कि गर्मियों में अक्सर बोरे बासी खाएँ। डीआरजी टीम प्रभारी श्री मुकेश्वर ध्रुव ने कहा कि गर्मी के दिनों में अगर किसी दिन रात चाँवल बच जाएगी तो वे जवानों के साथ सुबह बोरे बासी जरूर खाएँगे। जिला पुलिस बल, नारायणपुर के कुछ जवानों में अपने सोशल मीडिया अकॉउंट में बोरे बासी का फोटो भी शेयर किया है।

# कलेक्टर रानू साहू ने श्रमिक दिवस के अवसर पर सपरिवार मजदूरों के साथ बोरे बासी खाकर मजदूरों का किया सम्मान

**कोरबा।** छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर बोरे बासी खाकर मजदूरों के प्रति सम्मान जाहिर करने अपील किया गया है। इसी तारतम्य में कोरबा जिला कलेक्टर रानू साहू ने विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर अपने पुत्र और कलेक्टर निवास में कार्यरत मजदूरों के साथ बोरे बासी खाकर मजदूरों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। कलेक्टर रानू साहू ने मजदूरों साथ बोरे बासी खाकर छत्तीसगढ़ की परंपरागत आहार के प्रति गर्व महसूस किया। छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपरा तथा विरासत का लगातार

प्रसार तथा इसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 1 मई मजदूर दिवस के अवसर पर मेहनतकश कर्मठ मजदूरो के सम्मान दिवस पर बोरे बासी खाने की अपील की है। जिसका असर देखने को मिला, कोरबा जिले के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, मजदूर साथियों और आम लोगों ने बोरे बासी का सेवन किया।

### कोरबा पुलिस ने बोरे बासी खाकर शुरू किया ड्यूटी

**कोरबा।** मजदूर दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और विरासत को आगे बढ़ाते हुए पुलिस अधीक्षक कोरबा भोजराम पटेल द्वारा कोरबा जिले के सभी पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को आज के ड्यूटी की शुरुआत बोरे बासी खाकर करने हेतु निर्देशित किया गया था। इस निर्देश के

पालन में सभी थाना चौकी प्रभारीयों द्वारा अपने थाना में अधिकारी कर्मचारियों को बोरे बासी खिलाकर आज के ड्यूटी की शुरुआत की गई। साथ ही मजदूरों का सम्मान कर उन्हें भी बोरे बासी खिलाया गया। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल द्वारा भी अपने निवास पर बोरे बासी खाकर ड्यूटी का शुरुआत किया गया।

# श्रम के सम्मान की समुन्नत परम्परा है श्रमिक दिवस: डॉ.मिश्रा

**कोरबा।** एसईसीएल मुख्यालय स्थित प्रांगण में 1 मई को खनिक दिवस समारोह का आयोजन अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डॉण् प्रेम सागर मिश्रा के मुख्य आतिथ्य, निदेशक तकनीकी संचालन सह कार्मिक एमके प्रसाद, निदेशक तकनीकी योजना/परियोजना एसके पाल, एसईसीएल संचालन समिति के माननीय सदस्यों नाथूलाल पाण्डेय, हरिद्वार सिंह, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों, विभिन्न श्रम संघ प्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर पर सर्वप्रथम मुख्य अतिथि अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डॉ प्रेम सागर मिश्रा, निदेशक तकनीकी संचालन सह कार्मिक एम के प्रसाद, निदेशक तकनीकी योजना/परियोजनाद्ध एसके् पाल, एसईसीएल संचालन समिति के सदस्यों नाथूलाल पाण्डे, हरिद्वार सिंह, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों एवं श्रमसंघ प्रतिनिधियों ने शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित किए उपरांत खनिक प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित किए। कार्यक्रम के आरंभ में ध्वजारोहण किया गया तथा कोलइण्डिया कॉरपोरेट गीत बजाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएमडी डॉण् प्रेमसागर मिश्रा ने कहा कि श्रम के सम्मान की समुन्नत परम्परा है श्रमिक दिवस।

# दातुन तोड़ने गये ग्रामीण पर भालू ने किया हमला

**कोरबा।** कोरबा वनमंडल के करतला परिक्षेत्र के ग्राम नोनदरहा में दातुन तोडऩे गये एक ग्रामीण पर भालू ने हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये। उसे उपचार के लिए सीएचसी करतला में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार नोनदरहा निवासी रूपेश कुमार पिता समरथ राठिया उम्र 22 वर्ष आज सुबह जंगल के कक्ष क्रमांक पी.1155 में दातुन तोडऩे गये था। तभी उसका खुंखार भालू से सामना हो गया। भालू ने उस पर हमला कर दिया। भालू के हमले में वह घायल हो गया। उसके सिर व दायां हाथ जख्मी हुआ है। रूपेश ने किसी तरह भालू के चंगूल से अपने आप को मुक्त कराया। और मद्द के लिए गुहार लगाई। रूपेश की गुहार सुनकर गांव वाले जंगल पहुंचे और उसे 112 वाहन की मद्द से उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को भी दी गई जिस पर वन विभाग के अधिकारी तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और घायल रूपेश के स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए उन्हें उपचार के लिए 500 रूपये की तात्कालिक सहायता राशि उपलब्ध कराई। वन विभाग के अधिकारियों मुताबिक घायल ग्रामीण के उपचार का पूरा खर्च वन विभाग वहन करेगा सो घायल के परिजनों को सही उपचार कराने को कहा गया है।

# श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन 12 मई को

❑ **बिहार की प्रसिद्ध भजन गायिका गिन्नी कौर और भजन सम्राट निखिल श्याम देंगे प्रस्तुति**

**कोरबा।** खाटू वाले श्याम बाबा के भव्य भजन संध्या का आयोजन आगामी 12 मई को श्याम मंदिर परिसर में किया जा रहा है, जिसमें बिहार के समस्तीपुर जिले की भजन गायिका गिन्नी कौर व राजनांदगांव के गायक निखिल श्याम अपनी प्रस्तुति देंगे। इस आयोजन को लेकर भक्तों सहित नगरवासियों में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए श्याम युवा सेवक ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि मिशन रोड स्थित श्याम मंदिर कोरबा में खाटू वाले श्याम बाबा के भव्य भजन संध्या का आयोजन आगामी 12 मई दिन.गुरूवार को संध्या 7 बजे से किया जाएगा, जिसमें सभी श्यामभक्त खाटू श्याम के भजनों से सराबोर होंगे। भजन संध्या में कोरबा जिले के अलावा अन्य जिलों से भी श्याम भक्त पहुंचेंगे। भजन संध्या में बिहार के समस्तीपुर जिले की भजन गायिका गिन्नी कौर व राजनांदगांव के गायक निखिल श्याम

खाटू वाले श्याम बाबा की महिमा का बखान करेंगे। कार्यक्रम को लेकर कोरबा सहित अन्य जिलों में प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। खाटू भजन संध्या में भगवान श्याम बाबा का अलौकिक श्रृंगार, अखण्ड ज्योति, छप्पन भोग, श्याम रसोई, इत्र वर्षा व बाबा का भव्य दरबार सजाया जाएगा। आयोजकों ने श्याम भक्तों से निवेदन किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

# छ.ग.राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी ने हासिल किया चौथा स्थान

**कोरबा।** विद्युत उत्पादन के मामले में देश भर के 33 स्टेट पावर प्लांट में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी ने चौथा स्थान हासिल किया। कंपनी के संयंत्रों ने वित्तीय वर्ष 2021.22 में 70.40 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर पीएलएफ अर्जित किया, जबकि देशभर के सभी विद्युत गृहों का औसत पीएलएफ 58.86 प्रतिशत रहा। इसमें डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह डीएसपीएम कोरबा पूर्व संयंत्र ने 89.22 प्रतिशत पीएलएफ अर्जित करने का कीर्तिमान स्थापित किया है।

भारत सरकार के विद्युत

मंत्रालय के अधीन केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण सीईए ने रिपोर्ट जारी की। इसमें डीएसपीएम का देश के सभी केंद्र राज्य व निजी उपक्रम ताप विद्युत गृहों में विद्युत उत्पादन के मामले में चौथा स्थान रहा। जनरेशन कंपनी ने अपने संयंत्रों की उत्पादन क्षमता को बेहतर रखरखाव और क्वालिटी कोल प्रबंधन के जरिये उत्कृष्ट बनाया। कर्मचारियों.अधिकारियों की लगन व कर्मठता से यह उपलब्धि हासिल हुई। डीएसपीएम संयंत्र की यूनिट क्रमांक दो ने सर्वकालिक न्यूनतम विशिष्ट तेल खपत की श्रेणी में भी विशेष उपलब्धि हासिल की है। यूनिट दो में तेल खपत 0.0427 मिलीलीटर प्रति यूनिट रहाए जो छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित 0.5 मिलीलीटर प्रति यूनिट से बहुत कम है। इस उपलब्धि से जनरेशन कंपनी को लगभग 10.70 करोड़ रूपये की बचत हुई। डीएसपीएम विद्युत गृह की इकाई क्रमांक दो वर्ष में केवल एकबार ट्रिप हुई, जो कि न्यूनतम है और यह भी एक कीर्तिमान है। इसी तरह अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह, मड़वा संयंत्र की यूनिट क्रमांक दो ने सर्वकालिक न्यूनतम विशिष्ट तेल खपत 0.47 मिलीलीटर प्रति यूनिट दर्ज की तथा संयुक्त तौर पर सर्वकालिक 0.502 मिलीलीटर प्रति यूनिट का कीर्तिमान बनाया। छत्तीसगढ़ विद्युत उत्पादन कंपनी के नाम दर्ज इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं चेयरमेन अंकित आनंद ने जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक एनके बिजौरा समेत अधिकारियों-कर्मचारियों के आपसी एकजुटता के साथ किए गए कार्य की उपलब्धि बताते हुए ऐसी उत्कृष्ट कार्यशैली को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

# बालको परिवार के तीन श्रमवीरों को मिला कर्मवीर सम्मान

**कोरबा।** छत्तीसगढ़ के कोरबा स्थित वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड बालको के तीन श्रमवीरों को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के हाथों कर्मवीर सम्मान दिया गया। भिलाई में आयोजित सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे। समारोह में बालको के साथ ही राज्य के अनेक औद्योगिक संगठनों के ऐसे कर्मवीरों को सम्मानित किया गया जिन्होंने अपने कर्तव्यपरणता और उपलब्धियों से राज्य और देश के विकास में नए आयाम स्थापित किए हैं। बघेल एवं साहू ने सम्मानित

श्रमवीरों को बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

आधिकारिक जनाकारी के अनुसार समारोह में बालको के पॉट लाइन.2 में कार्यरत वरिष्ठ प्रोसेस तकनीषियन.3 दिलेष्वर साहूए बालको के व्यवसाय के साझेदारी मेसर्स पारेख इंजीनियर्स के कर्मचारी विनय कुमार बघेल तथा थाइसन कंपनी के कर्मचारी कन्हैया लाल केंवट सम्मानित किए गए। इन श्रमवीरों के योगदान से बालको प्रबंधन को उत्पादनए उत्पादकताए औद्योगिक सुरक्षा आदि विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता पाने में मदद मिली है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक अभिजीत पति ने बालको परिवार के सम्मानित सदस्यों की हौसला अफजाई करते हुए कहा है कि इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से बालको परिवार गौरवान्वित हुआ है। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ मानव संसाधन किसी भी संगठन की सबसे बड़ी पूंजी है। डिजिटल संसाधनों तथा अनेक रचनात्मक कार्यक्रमों के जरिए कर्मचारियों को कार्य का बेहतरीन वातावरण प्रदान करने की दिशा में काम किया जा रहा है। बालको में विविधतापूर्ण एवं समावेषी कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित किया जाता है। बालको प्रदेष की पहली ऐसी कंपनी है जहां थर्ड जेंडर नागरिकों को नियोजित किया गया है। प्रत्येक स्तर पर कर्मचारियों से निरंतर संवाद किया जाता है ताकि उनके सुझावों के अनुरूप विभिन्न सुधार करते हुए कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की जा सकें। ष्शून्य क्षतिष् की नीति के अनुरूप संयंत्र को सबसे सुरक्षित कार्यस्थल बनाने के लिए बालको प्रबंधन कटिबद्ध है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं सक्षम उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU